भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

ल खत प्रश्न सं. †3540

सोमवार, 08 अगस्त, 2022/17 श्रावण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रमुख अवसंरचना वकास परियोजनाओं हेतु डीपीआर

†3540. श्री महेंद्र संह सोलंकी:

डॉ. रमापति राम त्रिपाठी:

श्री जगदम्बिका पाल:

श्री पी.पी. चौधरी :

श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी :

श्री सी.आर. पाटिल :

श्री संगम लाल गुप्ता :

श्री बृजभूषण शरण संह :

श्री राजबहादुर संह:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के प्रमुख उद्देश्य और वशेषताएं क्या हैं और इको थीम के तहत मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओ डशा हेतु स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) एसडीएस के तहत मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओ डशा में चल रही प्रमुख अवसंरचना वकास परियोजनाओं के लए वस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) का ब्यौरा क्या है;

(ग) एसडीएस के तहत व भन्न आध्यात्मिक स र्कटों के माध्यम से पर्यटन की अवसंरचना को मजबूत करने के लए मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओ डशा हेतु 2022-23 में आवंटित नि ध का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा इस योजना को बढ़ावा देने के लए अब तक क्या प्रयास कए गए हैं ; और

(ङ) 2019 के बाद से मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओ डशा में पर्यटन से कतने म लयन अमेरिकी डॉलर वदेशी मुद्रा की कमाई हुई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. कशन रेड्डी)

(क) : पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन अवसंरचना के वकास के लए अपनी 'स्वदेश दर्शन' योजना के तहत राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों/केंद्रीय एजें सयों आदि को वत्तीय सहायता प्रदान करता है । योजना के तहत परियोजनाओं को नि धयों की उपलब्धता,

उपयुक्त वस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर)की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों का अनुपालन और पूर्व में जारी की गई नि धयों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृति प्रदान की जाती है। उक्त योजना के तहत, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और ओ डशा राज्यों में थीम सहित, स्वीकृत और निर्मुक्त रा श सहित परियोजनाओं का ववरण अनुबंध में दिया गया हैं ।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, देश में स्थायी और महत्वपूर्ण गंतव्यों का वकास करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना 2.0 (एसडी2.0) के रूप में अब अपनी स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया है । योजना में निम्न ल खत उद्देश्य शा मल हैं:

क)स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में पर्यटन के योगदान को बढ़ाना।
ख)स्थानीय समुदायों के लए स्वरोजगार सहित रोजगार सृजित करना।
ग) पर्यटन और आतिथ्य में स्थानीय युवाओं के कौशल को बढ़ाना।
घ) पर्यटन और आतिथ्य में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ाना।
ङ) स्थानीय सांस्कृतिक और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन करना।

(ख) से (घ) : पर्यटन मंत्रालय ने एसडी 2.0 योजना दिशानिर्देशों को सभी राज्य सरकारों/केंद्र शा सत प्रदेशों के साथ साझा कया है और मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उड़ीसा राज्यों सहित कई बैठकों के दौरान उन्हें योजना से अवगत कराया गया है । अभी तक, एसडी 2.0 योजना दिशानिर्देशों के तहत कोई वस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्राप्त नहीं हुई है ।

(ङ) : पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन के माध्यम से राज्य-वार वदेशी मुद्रा आय (एफईई) के आंकडे नहीं रखे जाते हैं । हालाँ क, वर्ष 2019 और 2020 के दौरान निम्न ल खत एफईई अर्जित कया जाता है

क्र.सं.	पैरामीटर	2019	2020
1	पर्यटन के माध्यम से वदेशी मुद्रा आय (अमेरिकी म लयन डॉलर)	30058	6958

*****

अनुबंध

प्रमुख अवसंरचना वकास परियोजनाओं हेतु डीपीआर के संबंध में दिनांक 08.08.2022 के लोक सभा के ल खत प्रश्न सं. †3540 के भाग (क) के उत्तर में ववरण

स्वदेश दर्शन योजना के तहत गुजरात, मध्य प्रदेश, ओ डशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का ववरण

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य	परिपथ / स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत रा श	निर्मुक्त रा श
1.	गुजरात	वरासत परिपथ 2016-17	अहमदाबाद - राजकोट- पोरबंदर-बारडोली-दांडी का वकास	58.42	56.21
2.		वरासत परिपथ 2016-17	वडनगर - मोढेरा का वकास	91.12	87.25
3.		बौद्ध परिपथ 2017-18	जूनागढ़ - गरसोमनाथ- भरूच-कच्छ-भावनगर- राजकोट- महसाणा का वकास	26.68	22.28
4.	मध्य प्रदेश	वन्यजीव परिपथ 2015-16	पन्ना- मुकुंदपुर -संजय-डुबरी-बांधवगढ़-कान्हा-मुक्की- पेंच का वकास।	92.10	81.15
5.		बौद्ध परिपथ 2016-17	सांची-सतना-रीवा-मंदसौर-धार का वकास	74.02	69.08
6.		वरासत परिपथ 2016-17	ग्वा लयर - ओरछा-खजुराहो-चंदेरी-भीमबेटका-मांडू का वकास	89.82	85.33
7.		इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध-ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बरगी बांध- भेड़ा घाट- बाणसागर बांध- केन नदी का वकास	94.61	88.58
8.	उड़ीसा	तटीय परिपथ 2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और ताम्परा का वकास	70.82	63.56

9.	राजस्थान	मरूस्थल परिपथ 2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का वकास	50.01	51.17
10.		कृष्ण परिपथ 2016-17	गो वंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का वकास	75.80	70.29
11.		आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	चूरू (सालासर बालाजी) - जयपुर (श्री सामोदे बालाजी, घाटके बालाजी, बंधेके बालाजी) - वराटनगर (बीजक, जैन सया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कमान क्षेत्र) - धौलपुर (मुचकुंड) - मेहंदीपुर बालाजी- चत्तौड़गढ़ (सांव लया सेठ जी) का वकास	87.05	68.24
12.		वरासत परिपथ 2017-18	राजसमंद (कुंभलगढ़ कला) - जयपुर (जयपुर और नाहरगढ़ कले में अग्रभाग का प्रदीप्तिकरण) - झालावाड़ (गगरोन कला) - चत्तौड़गढ़ (चत्तौड़गढ़ कला) - जैसलमेर (जैसलमेर कला) - हनुमानगढ़ (गोगामेड़ी) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफोर और पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक, मेड़ता) - टोंक (सुनेहरी कोठी) का वकास	70.61	56.57
13.	उत्तर प्रदेश	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपलवस्तु का वकास	87.89	72.56
14.		रामायण परिपथ 2016-17	चत्रकूट और श्रृंगवेरपुर का वकास	69.45	64.09
15.		आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	अहर-अलीगढ़-कासगंज-सरोसी (उन्नाव)-प्रतापगढ़-कौशांबी- मर्जापुर-गोरखपुर-डोमरियागंज-बस्ती-बाराबंकी-आजमगढ़-कैराना-बागपत- शाहजहांपुर का वकास	71.91	68.32
16.		आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बीजनौर-मेरठ-कानपुर-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी-ब लया-अम्बेडकर नगर-अलीगढ़-फतेहपुर-देवरिया-महोबा-	67.51	64.14

			सोनभद्र-चंदौली- मश्रीख-भदोही का वकास		
17.		वरासत परिपथ 2016-17	का लंजर कला (बांदा) - मगहरधाम (संत कबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुआर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का वकास	33.97	32.27
18.		रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का वकास	127.21	115.46
19.		आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	जेवर-दादरी- सकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का वकास	12.03	9.63
20.		आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीप न मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डोमरियागंज) का वकास	15.76	12.61
21.	उत्तर प्रदेश और बिहार	2018-19	मार्गस्थ सु वधाएं उत्तर प्रदेश और बिहार	15.07	12.29

*****